तापमान
अधिकतम 39 .0 डिग्री
न्यूनतम 18 .5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, मंगलवार, 15 अप्रैल 2025

12 अंबेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु एक संस्था थे

11 जीवन कौशल शिक्षा से ही होगा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व...

खबर संक्षेप

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल

गन्नौर। रोशनपुर गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। घायल बाइक चालक ने मामले की शिकायत थाना बड़ी में दी। शिकायत में गांव बेगा निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि वह अपनी बाइक से घर लौट रहा था। गन्नौर फ्लाईओवर के पास उसे सन्नी कुमार मिला, जिसे वह बाइक पर साथ ले गया। जैसे ही वे रोशनपुर गांव के पास पहुंचे तो सामने से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आईं, जबकि ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

घर लौट रही महिला से जेवर व मोबाइल ठगे

गोहाना। शहर में पुराना बस स्टैंड से बेटी को दवा दिलाकर घर लौट रही महिला से ठगी की गई। ठग उससे जेवर और मोबाइल चुरा ले गए। महिला ने अपने पहने हुए जेवर और मोबाइल उसे दिए। युवक ने एक बैग दिया, जिसे घर जाकर खोलने पर कागज के टुकड़े मिले। शहर थाना में केस दर्ज किया गया।गांव गढ़ी सराय नामदार खां की सुमन ने पुलिस को बताया कि वह रविवार को अपनी 10 वर्ष की बेटी वर्षा को शहर में पुराना बस स्टैंड पर दवा दिलाने लाई थी। वह दवा दिलाकर पानीपत चुंगी पर पहुंची तो वहां पर एक युवक रोता हुआ मिला। उसने युवक से बातचीत की तो कहा कि वह कंपनी में काम करता था।

बिना पर्ची, बिना खर्ची नौकरी लगे सात युवा

सोनीपत। गांव पुरखास में बाबा साहब अम्बेडकर की 134 वी जंयती मनाई गई। बतौर मुख्यातिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जसवीर दोदवा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बीजेपी कार्यकाल में बिना पर्ची खर्ची सरकारी नौकरी लगे वंचित समाज के 7 युवाओं को सम्मानित किया। 100 बच्चे जो अपनी अपनी कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे, उन बच्चों कॉपी और पेन देकर उनका हौंसला बढ़ाया। इस अवसर पर जिला पार्षद सतीश गुलिया, यशपाल गुलिया, सतपाल गुलिया, सरपंच बहादुर पहलवान, भाई सुनील जांगड़ा समेत काफी संख्या में मौजूद रहे।

इंडस टावर से 47 बैटरियां चोरी

गन्नौर। पुगथला स्थित टावर से चोर बैटरियां चोरी कर फरार हो गए। कंपनी के सुपरवाइजर ने इसकी शिकायत खुबडू झाल पुलिस चौकी में दी। शिकायत में पानीपत के गांव अदियाना निवासी संदीप ने बताया कि वह निजी कंपनी का सुपरवाइजर है, जो इंडस टावर के लिए कार्य करती है। गांव पुगथला स्थित टावर पर 13 अप्रैल की रात तकनीशियन शोभाचंद का फोन आया कि टावर पर चोरी हो रही है। इस पर वह और तकनीशियन मौके पर पहुंचे तो टावर वाले रास्ते पर एक पिकअप गाड़ी भागती मिली।

शिक्षा विभाग ने मांग लिए हैं दस्तावेज, जिले भर में 89 स्कूल किए चिन्हित

- !बिना मान्यता के स्कूलों पर शिकंजा कसने की तैयारी
- कलस्टर स्तर पर गठित की गई हैं टीमें, अपने क्षेत्रों में बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों की जांच करेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हर साल अभिभावकों को बेवकूफ बनाकर दाखिला हासिल कर लेने वाले बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों पर शिकंजा कसा जाने लगा है। शिक्षा विभाग ने इसके लिये तैयारियां कर ली है। ऐसे स्कूलों के खिलाफ शिक्षा विभाग की तरफ से कलस्टर स्तर पर टीमें गठित कर दी गई थी। इन टीमों को अपने-अपने क्षेत्र में बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि विभागीय स्तर पर पहले ही ऐसे 89 स्कूलों की पहचान की जा चुकी है। इन स्कूलों से अब मान्यता संबंधी दस्तावेज मांगें गए हैं। इन दस्तावेजों की जांच के उपरांत ही आगामी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि जिले में बिना मान्यता के चल रहे निजी स्कूल हर साल अभिभावकों को गुमराह कर बच्चों का दाखिला करवा लेते हैं, फिर सरकार के सामने बच्चों के भविष्य के सवाल रखते हुए मान्यता को लेकर छूट प्राप्त कर लेते हैं। इस बार शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से ही बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। जिसके तहत चिह्नित किए गए स्कूलों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

70 कलस्टर बनाकर गठित की टीम

जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने जिले में बनाए गए 70 कलस्टर पर टीमें गठित कर अपने क्षेत्र के चल रहे निजी विद्यालयों का भौतिक सत्यापन करने और मान्यता संबंधी रिकार्ड की जांच करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि बिना पूरे दस्तावेजों के चलाए जा रहे स्कूलों के बाहर नोटिस चस्पा किए जाएं ताकि अभिभावकों को पता चल सके कि जिस स्कूल में वे अपने बच्चों का दाखिला ले रहे हैं, उनकी मान्यता है या नहीं।

किस खंड में कितने बगैर मान्यता प्राप्त स्कूल

खंड	स्कूल
गन्नौर	06
गोहाना	13
कथूरा	01
खरखौदा	05
मुडलाना	02
राई	33
सोनीपत	29

नोटिस जारी

जिले में बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों पर कार्रवाई के लिए टीमें गठित कर दी है, जो स्कूलों में जाकर मान्यता संबंधी दस्तावेजों की जांच करेंगे। दस्तावेज पूरे नहीं मिलने पर नोटिस चस्पा किए जाएंगे। अभिभावकों से भी आह्वान है कि वह मान्यता प्राप्त स्कूलों में ही अपने बच्चों का दाखिला करवाएं। किसी भी हाल में बच्चों की शिक्षा से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत।

दबंगों ने मां को भी दी थी जान से मारने की धमकी

गांव कामी में अंकित की पीटकर की थी हत्या, घर के बाहर फेंक दिया था शव

पुलिस ने मुख्य आरोपित नवीन सहित आरोपितों को किया काबू, कई मामलों में पहले भी नामजद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

पुलिस की गिरफ्त में आरोपित। *फोटो : हरिभूमि*

एक दिन पहले गांव कामी में युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इसमें मुख्य आरोपित भी शामिल हैं। शुरूआती जांच में पता चला है कि गाली गालैज करने पर रंजिश रखते हुए अंकित की हत्या को अंजाम दिया गया। क्योंकि दोस्त के साथ कहासुनी के उपरांत अंकित सुलह की कोशिश में मुख्य आरोपित नवीन के घर गया था, लेकिन अंकित ने गाली गलौज की, जिसके बाद हत्या कर दी गई। बता दें कि गांव कामी में हमलावरों ने वारदात को अंजाम देने के बाद युवक के शव को उसके घर के बाहर ही फेंक दिया था। हमले में अंकित का एक अन्य साथी भी घायल है। गांव कामी निवासी अंकित (32) रविवार को घर से बाहर गए थे। अंकित अपने दोस्त दीपक के साथ गांव के ही नवीन के घर गए थे। अंकित के दोस्त साहिल का नवीन से झगड़ा चल रहा था। जिसमें अंकित अपने दोस्त दीपक को लेकर सुलह के लिए गए थे। वहां पर नवीन व उसके साथियों के साथ अंकित की कहासुनी हो गई थी। गाली-गलौज होने पर हमलावरों ने अंकित की पिटाई कर दी थी। बेरहमी से पिटाई करने के बाद अंकित को गांव का नवीन व उसका साथी अजय बाइक पर बैठाकर उसके घर के पास छोड़कर भाग गए। उन्होंने नवीन की मां सुनीता को धमकी दी थी कि इसको तो मार दिया, पुलिस में शिकायत दी तो तुझे भी मार देंगे। सदर थाना पुलिस ने जांच के बाद हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में अंकित की मां सुनीता के बयान पर गांव के नवीन, उसके भाई प्रवीन, गांव के ही अजय, तनुज, दीपांशु, मोनू, योगेश, सन्नी व छपरा गांव के लोकेश साहिल को नामजद किया था। हमले का शिकार हुआ अंकित शादीशुदा था और परिवार का इकलौता पुत्र था। उनके पिता का पहले ही देहांत हो चुका है। अंकित का दोस्त दीपक भी घायल हुआ है। उसे अस्पताल में उपचार दिलवाया गया।एसीपी जीत सिंह ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए सदर थाना प्रभारी सुभाष चंद ने अपनी टीम में शामिल एसआई कमलदीप, एएसआई शैलेंद्र व अन्य के साथ मिलकर आरोपित नवीन, उसके भाई प्रवीन, अजय, तनुज उर्फ काला, संदीप, दीपांशु उर्फ मानू और लोकेश उर्फ सन्नी को गिरफ्तार किया है।

सुलह कराने में चली गई जान

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि अंकित के दोस्त साहिल की नवीन से रंजिश थी। जिसमें सुलह कराने गए अंकित का नवीन से झगड़ा हुआ। उनकी पहले भी मोबाइल पर बातचीत में कहासुनी हो चुकी थी। नवीन के घर जाने पर अंकित व दीपक पर हमला कर दिया गया था।

पहले भी कई मामलों में नामजद रहा है नवीन

मामले में मुख्य आरोपी नवीन का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ सोनीपत सदर, सिविल लाइन, गुरुग्राम के बिलासपुर व जीआरपी थाना सोनीपत में आठ मुकदमे दर्ज हुए थे। उनमें लूट, डकैती, मारपीट, अपहरण के बाद लूटपाट व अवैध शस्त्र अधिनियम के मुकदमे शामिल हैं।

गोहाना। एक साथ 5 स्वर्ण पदक विजेता प्रो. रामदिया जाटायन प्रसन्नचित मुद्रा में।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी प्रो. रामदिया ने झटके 5 स्वर्ण, किया सम्मानित

- 80 प्लस आयु वर्ग में जवानी जैसी ऊर्जा, नहीं लेते कोई सप्लीमेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

आयु बेशक 83 वर्ष की हो लेकिन शरीर में ऊर्जा और स्फूर्ति एक नौजवान जैसी है। चतुर्थ खेलो इंडिया वेटरन राष्ट्रीय खेलों में विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं में एक साथ 5 स्वर्ण पदक जीतकर गांव धनाना निवासी अंतर्राष्ट्रीय धावक एवं सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर रामदिया जाटायन ने एक बार फिर से सिद्ध कर दिया है कि अगर मन में जज्बा हो तो उम्र नहीं अपितु मेहनत, दृढ़ निश्चय और सच्ची लग्न मायने रखती है। खेल गांव अक्षरधाम स्टेडियम में 11 से 13 अप्रैल तक चतुर्थ खेलो इंडिया वेटरन खेल आयोजित किए गए। खेलों में 24 प्रान्तों की महिला व पुरुष खिलाड़ियों ने भिन्न-भिन्न आयु वर्ग की खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता की। धावक रामदिया जाटायन ने इन खेलों में 80 प्लस आयु वर्ग में 5 किलोमीटर दौड़ 32 मिनट 6 सैकेंड, 5 किलोमीटर वॉक दौड़ 34 मिनट, 3 किलोमीटर दौड़ 19 मिनट 8 सैकेंड, 15 सौ मीटर दौड़ 9 मिनट 17 सैकेंड और 800 मीटर दौड़ 4 मिनट 59 सैकेंड में पूरी करते हुए अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ कर उक्त सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्वर्ण पदक झटक लिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे सहित अन्य बुरी आदतों से दूर रहें और पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में बढ़ चढक़र हिस्सा लें और अपने गांव, प्रांत व देश का नाम दुनिया में रोशन करें। अंतर्राष्ट्रीय धावक प्रो. रामदिया जाटायन का कहना है वे कोई सप्लीमेंट नहीं लेते हैं। सप्लीमेंट लेना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

यूपी में भ्रूण लिंग जांच कर गर्भपात कराने वाले रैकेट के तार खरखौदा से जुड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। स्वास्थ्य विभाग की टीम कार्यवाही करते हुए।

रोहतक स्वास्थ्य विभाग ने पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भ्रूण लिंग जांच और अवैध गर्भपात के रैकेट का पर्दाफाश किया है। जिसके तार सीधे तौर पर खरखौदा से लेकर उत्तर प्रदेश के बिजनौर से जुड़े हुए हैं। खरखौदा के एक निजी अस्पताल के माध्यम से बिजनौर (उत्तर प्रदेश) में भ्रूण लिंग परीक्षण कराने गए थे। सूचना पर कार्रवाई करते हुए इस गैरकानूनी धंधे से पर्दा उठाया गया है। मामले में उत्तर प्रदेश के बिजनौर थाने में दो चिकित्सकों सहित छह लोगों के ऊपर केस दर्ज हुआ है। टीम की जांच के सामने आया कि चंडीगढ़ की एक महिला को खरखौदा की एक बीएएमएस डाक्टर के माध्यम से बिजनौर भेजा गया। जहां 11 अप्रैल को भ्रूण लिंग जांच हुई। लड़की की पहचान होने पर महिला को वापस खरखौदा लाकर उसे अवैध रूप से एमटीपी किट के जरिए गर्भपात की दवाइयां दी गईं। 12 अप्रैल जब स्वास्थ्य विभाग की टीम ने खरखौदा स्थित भारद्वाज अस्पताल पर छापा मारा, तो वहां से दो पूरी एमटीपी किट और एक अधूरी किट जब्त की गई। इस कार्रवाई के बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए 13 अप्रैल को बिजनौर स्थित रायल आर जे हास्पिटल में डिकाय ग्राहक भेजकर भ्रूण लिंग परीक्षण कराते हुए एक बीयूएमएस डाक्टर को रंगे हाथों पकड़ा गया। सीसीटीवी फुटेज से यह भी पुष्टि हुई कि 11 अप्रैल को उसी डाक्टर ने चंडीगढ़ की महिला की जांच की थी। छापामारी के दौरान भ्रूण लिंग परीक्षण के एवज में लिए गए 20 हजार रुपये में से 19 हजार रुपये बरामद कर लिए गए।

शहर में लगाए गए विज्ञापन बोर्ड बने खतरा

खरखौदा। नगरपालिका द्वारा शहर में लगाए गए विज्ञापन बोर्ड अब जानलेवा साबित हो रहे हैं। सब्जी मंडी के पास व्यस्त मार्ग पर लगाया गया एक बोर्ड का खंभा हाल ही में जमीन में धंस गया है, जो राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। खंभा झुका हुआ है और कभी भी गिर सकता है। नगरपालिका ने हाल ही में टेंडर प्रक्रिया के तहत शहर भर में नए बोर्ड लगाए हैं, लेकिन कई स्थानों पर इन्हें बिना मजबूत आधार के खड़ा कर दिया गया। स्थानीय लोगों कृष्ण पंवार, प्रवीन, हरीश, कृष्ण दहिया आदि का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना हजारों लोग गुजरते हैं। ऐसे में यदि समय रहते खंभा नहीं हटाया गया तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। अन्य स्थानों पर भी ऐसे ही खंभे लगे हैं, जिनकी जांच की जानी बहुत ही जरूरी है। यह मामला नगर पालिका की लापरवाही को उजागर करता है। सवाल यह उठता है कि क्या टेंडर के बाद इन बोर्डों की गुणवत्ता की जांच हुई।

लल्हेड़ी खुर्द में दुकान में घुस कर पंच पर हमला

- गांव के सरपंच व जेल में बंद उसके भतीजे पर हमला करवाने का जताया शक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

लल्हेड़ी खुर्द में शुक्रवार की शाम गांव के पंच पर उसकी परचून दुकान में घुस कर 10-15 लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में पंच राजेश गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल हो उपचार के लिए प्राथमिक उपचार के लिए गन्नौर अस्पताल ले गए। जहां से स्वजन उसे सोनीपत के निजी अस्पताल ले गए जहां उसे खानपुर मेडिकल रेफर कर दिया गया, लेकिन स्वजन उसे सोनीपत के निजी अस्पताल ले गए। जहां राजेश अभी उपचाराधीन है। सूचना पर थाना बड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल पंच के ब्यान दर्ज किए। घायल पंच राजेश ने गांव के सरपंच व उसके भतीजे पर हमला करवाने का शक जताया है। पुलिस ने इस संबंध में सरपंच मेहर सिंह व करनाल जेल में सजा काट रहे उसके भतीजे मोनू पर केस दर्ज कर लिया है। पंच राजेश ने बताया कि वह अपनी दुकान पर बैठा था तभी हमलावरों ने अचानक आकर गाली-गलौच व मारपीट शुरू कर दी। पड़ोसियों की मदद से हमलावरों से बचाया गया। राजेश ने बताया कि जाते-जाते हमलावर उसे सरपंच के खिलाफ दी गई शिकायत वापिस न उठाने पर जान से मारने की धमकी भी देकर गए।

यह थी शिकायत

लल्हेड़ी खुर्द ग्राम पंचायत में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर गांव के वार्ड 11 के पंच राजेश ने आरटीआई लगाने के साथ ही उपायुक्त को शिकायत दी थी। शिकायत में पंच राजेश ने उपायुक्त से ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में हो रही धांधली की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की थी। इस संबंध में पहले भी 2-3 बार आरटीआई दायर की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

सरपंच बोले आरोप निराधार

इस संबंध में गांव के सरपंच मेहर सिंह ने बताया कि उन पर लगाए आरोप निराधार हैं। जिस समय यह हमला हुआ वह गांव में मौजूद भी नहीं थे। वह अपने मुज्जफरनगर, उत्तरप्रदेश में अपने ढाबा पर काम संभाल रहे हैं। वह जांच में शामिल होकर अपना पक्ष रखेंगे।

सीजीएम ने की जांच, गेहूं में 13.5 प्रतिशत तक नमी मिली

गोहाना। हैफेड के चीफ जनरल मैनेजर (सीजीएम) अरुण आहूजा ने सोमवार को अधिकारियों के साथ गोहाना की नई अनाज मंडी में पहुंचकर गेहूं खरीद का जायजा लिया। उन्होंने अपने सामने जांच कराई तो गेहूं में 12 प्रतिशत से अधिक नमी मिली। सीजीएम ने अधिकारियों के निर्देश दिए कि अधिक नमी वाला गेहूं न खरीदा जाए। उन्होंने बोरियों में भरे गए गेहूं की जांच करवाई तो उसमें भी 13.5 प्रतिशत तक नमी मिली। गेहूं की बोरियों का तौल भी करवाया गया, जो पूरा मिला। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जब तक नमी अधिक है तब गेहूं न खरीदा जाए और न ही बोरियों में भरा जाए। नमी अधिक मिलने पर गोदामों में भंडारण नहीं किया जाएगा। इससे गेहूं खराब होने की संभावना रहती है। नमी अधिक मिलने पर गोदामों से गेहूं से भरे वाहनों को वापस भेज दिया जाएगा, जिससे आढ़तियों को नुकसान होगा। इस मौके पर हैफेड के जिले के डीएम उमाकांत, गोहाना की प्रबंधक रीना व प्रबंधक जोगेंद्र उपस्थित रहे।

गोहाना। मंडी गेहूं में नमी की जांच करवाते हुए सीजीएम अरुण आहूजा। *फोटो : हरिभूमि*

ड्रग-फ्री साइक्लोथॉन यात्रा आज पहुंचेगी गन्नौर में, होगा भव्य स्वागतः एसडीएम

- जैन गर्ल्स कॉलेज में यात्रा का होगा समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

ड्रग-फ्री हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 यात्रा आज गन्नौर पहुंचेगी। तैयारियों को लेकर एसडीएम प्रवेश कादियान के निर्देश पर पुलिस, नगरपालिका, , शिक्षा, जनस्वास्थय विभाग सहित कई विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा यात्रा के स्वागत की तैयारी पूरी कर ली गई है। एसडीएम प्रवेश कादियान ने बताया कि यात्रा मुरथल से शुरू होकर लड़सौली के सरकारी स्कूल पहुंचेगी। इसके बाद जीटी रोड होते हुए गन्नौर अड्डा, फिर रेलवे रोड से नमस्ते चौक पहुंचेगी। यहां से यू-टर्न लेकर सीसीएएस जैन गर्ल्स कॉलेज में सोनीपत जिले का समापन होगा। इसके बाद यात्रा पानीपत जिले में प्रवेश करेगी। एसडीएम ने सभी विभागों को यात्रा का स्वागत करने के निर्देश दिए। स्कूली बच्चों, खिलाड़ियों और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। एसडीएम प्रवेश कादियान ने जैन गर्ल्स कॉलेज में प्रचार्या डा. मनोज से तैयारियों को लेकर चर्चा कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने कहा कि नशे से बचाने और प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

आज गांव सिसाना में विधायक पवन खरखौदा करेंगे साइक्लोथॉन का स्वागत

नशा छोड़ने का संदेश लेकर आज सोनीपत पहुंचेगी साइक्लोथॉन

- 16 अप्रैल को सुभाष स्टेडियम से विधायक निखिल मदान हरी झंडी दिखाकर करेंगे साइक्लोथॉन को रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ड्रग फ्री हरियाणा अभियान के तहत प्रदेश भर में चल रही साइक्लोथॉन (साइकिल यात्रा) 15 अप्रैल को जिले में प्रवेश करेगी। जिला प्रशासन द्वारा इस आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। सबसे पहले यह यात्रा रोहतक जिला की ओर से जिला के गांव सिसाना में प्रवेश करेगी, जहां एक भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। गांव सिसाना में आयोजित कार्यक्रम में विधायक पवन खरखौदा साइक्लोथॉन का स्वागत करेंगे और फिर हरी झंडी दिखाकर आगे रवाना करेंगे। इस आयोजन में जिले के हजारों साइकलिस्ट भाग लेंगे और नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। इसके बाद यह यात्रा खरखौदा शहर, गांव झरोठ, कंवाली, तुर्कपुर, मण्डौरा, नाहरा, मल्हा माजरा, छतेहरा बहादुरपुर, ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, आईटीआई चैक, सुभाष चैक, गीता भवन चैक, तीरंगा चैक से होते हुए जिला पुलिस लाईन में रात्रि ठहराव करेगी। इसके पश्चात 16 अप्रैल को सुभाष स्टेडियम से सोनीपत विधायक निखिल मदान साइक्लोथॉन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके पश्चात यह साईकिल यात्रा तीरंगा चैक, गीता भवन चैक, देवीलाल चैक, गांधी चैक, अग्रसेन चैक, जीटी रोड़ स्थित मुरथल चैक, लड़सौली, गन्नौर शहर से होते हुए सीसीएएस जैन कॉलेज गन्नौर में रूकेगी, जहां पर आयोजित समापन समारोह कार्यक्रम में गन्नौर से विधायक देवेन्द्र कादियान साईकिल यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर पानीपत के लिए रवाना करेंगे।

सोनीपत। साइक्लोथॉन के लिए की जा रही तैयारियां। फोटो : हरिभूमि

नशा छोड़ने का संदेश देगी साइक्लोथॉन

उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि साइक्लोथॉन(साईकिल यात्रा) का एक मात्र उद्देश्य है कि हरियाणा के सभी आयु वर्ग के आमजन को जागरूक करना। कि नशे से दूर रहना है व शारीरिक योग पे ध्यान देना है। उन्होंने बताया कि आज नशा युवाओं को अपने जाल में जकड़ रहा है। जिससे समाज खोखला हो रहा है। इसके जरीए युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुडकर समाज को नशे की गिरफ्त से मुक्त कराने में अपना योगदान दें।

यह कितनी बड़ी विडंबना है, हर क्षेत्र में अपनी मेधा शक्ति का लोहा मनवाती महिलाओं को इस आधुनिक युग में भी अपनी त्वचा के रंग को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां सुननी पड़ती हैं। उनके सम्मान पर आघात पहुंचाया जाता है। केरल की चीफ सेक्रेटरी शारदा मुरलीधरन के रंग पर की गई टिप्पणी, इस बात का ताजा उदाहरण है। सवाल यह है, रंगभेद का दंश स्त्रियां कब तक सहती रहेंगी, समाज इस संकीर्ण सोच से कैसे उबरेगा?

शारदा मुरलीधरन पर टिप्पणी

आज भी रंगभेद का दंश सह रही हैं स्त्रियां

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

इसे दुराग्रह कहें या दिशाहीन पुरातनपंथी सोच, गोरे-काले रंग को लेकर आज भी दुर्भावना भरी टिप्पणियां सुनने को मिल जाती हैं। सामाजिक और पारिवारिक परिवेश में बहू-बेटियों का सांवलेपन को खूबसूरती की कमी और गोरे रंग को सुंदरता से जोड़कर देखा जाना आम बात है। दुखद है कि पढ़ी-लिखी कामयाब महिलाएं भी स्किन कलर को लेकर कहे गए द्वेषपूर्ण-नकारात्मक शब्दों का सामना करती हैं। हाल ही में केरल की चीफ सेक्रेटरी शारदा मुरलीधरन ने फेसबुक पोस्ट पर रंगभेद पर अपनी बात शेयर करते हुए लिखा कि एक अनजान व्यक्ति ने उनके दफ्तर में उनके रंग को लेकर टिप्पणी की। शारदा मुरलीधरन ने फेसबुक पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मेरे कामों की तुलना हमेशा मेरे पति से की जाती रही है। लेकिन अब एक टिप्पणी ऐसी भी सुनने को मिली, जिसमें मेरे काम-काज की तुलना के साथ ही मेरे रंग पर भी तंज किया गया।' गौरतलब है कि शारदा ने अपने पति के रिटायर होने के बाद यह पद संभाला है। शारदा ने लिखा, 'मैंने पचास साल से भी ज्यादा के अरसे से रंग गोरा न होने से सुंदरता में कमी देखने की सोच का सामना किया है। लोगों में फेयर स्किन टोन का क्रेज देखा है।' सोशल मीडिया पोस्ट में शारदा ने न केवल अपने रंग को लेकर समाज की सोच पर सवाल उठाए बल्कि अपने कालेपन पर गर्व होने की बात भी कही। चर्चा, चिंता और चिंतन का विषय बना, संकीर्ण सोच को सामने रखता यह मामला बहुत से पहलुओं पर सोचने को विवश करता है, सार्थक विमर्श की भी मांग करता है।

भेदभाव से जुड़ा पहलू

ध्यान देने वाली बात यह है कि सांवले रंग की वजह से भेदभाव का सामना करने के हालात, जेंडर डिसक्रिमिनेशन से भी जुड़े हैं। घर हो या दफ्तर, त्वचा के रंग की वजह दुर्भाव भरे शब्द आमतौर पर महिलाओं को ही सुनने को मिलते हैं। सांवली शक्ल के प्रति परायों में ही नहीं, अपनों में भी पूर्वाग्रह देखने को मिलता है। शादी-सगाई के समय तो बहुत हद तक स्किन कलर को लेकर कायम सोच स्पष्ट दिखती है। तकलीफदेह बात यह है कि काम-काजी संसार में भी कभी सराहना तो कभी बेहतर अवसर के रूप में गोरे चेहरों की ओर झुकाव दिख जाता है। जबकि यह भेदभाव सीधे-सीधे किसी स्त्री की योग्यता और क्षमता पर प्रश्न उठाने जैसा है। शारदा मुरलीधरन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि उनकी परफॉर्मेंस की तुलना उनसे पहले उसी पोस्ट पर रहे व्यक्ति से की गई, जो उनके पति हैं और उनकी स्किन का कलर अलग है। लैंगिक पूर्वाग्रहों के चलते ही एक ऑफिसर के तौर पर उनकी परफॉर्मेंस पर बात कहने के बजाए, इस टिप्पणी में उनकी स्किन का रंग भी जुड़ गया। एक सफल-सशक्त स्त्री से जुड़ा यह मामला बताता है कि जेंडर डिसक्रिमिनेशन की जड़ें कितनी गहरी हैं।

आत्मसम्मान को ठेस

रंगभेद पर की गई टिप्पणियां सिर्फ शब्द भर नहीं होते। ऐसी बातें स्त्रियों की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं। गोरी त्वचा को लेकर कायम मोह और मनुहार का भाव, बहुत-सी बहू-बेटियों को बेवजह कमतरी के भाव की ओर धकेलता है। घरेलू मोर्चे पर गुणों की अनदेखी, तो पेशेवर फ्रंट पर काम-काज के मूल्यांकन पर भी चेहरे की रंगत से जुड़ी सोच हावी रहती है। वहीं सामाजिक-पारिवारिक माहौल में तो सांवलेपन को महिला ही नहीं, उसके पूरे परिवार की कमजोरी की तरह देखा जाता है। पक्के रंग वाली बहू को लेकर सहानुभूति जताई जाती है तो बेटी का रंग गोरा न होने पर अच्छा घरबार न मिलने की चिंता। लोगों को सहज-सी लगने वाली इन बातों और बर्ताव का महिलाओं के मन पर गहरा असर होता है। बड़ी होती बेटियां तो बहुत असहज महसूस करती हैं। त्वचा का रंग स्कूल-कॉलेज तक में उन्हें एक अलग खांचे में खड़ा करता है। इसी मनःस्थिति की बात शारदा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में भी कही है कि 'जब मैं चार साल की थी तो मां से पूछा करती थी कि क्या वे मुझे अपनी कोख में दोबारा डाल सकती हैं और झक गोरा और सुंदर बनाकर निकाल सकती हैं?' असल में रंगभेद से जुड़ा बर्ताव इमोशनल-साइकोलॉजिकल फ्रंट पर भी हर आयुवर्ग की स्त्रियों को चोट पहुंचाता है। शिक्षा और आत्मनिर्भरता के बढ़ते आंकड़ों के बावजूद समाज के हर तबके में ही स्त्रियों का अपमान करने और उनके मन में अपराधबोध का भाव भरने का यह बर्ताव सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण है।

उपहास का विषय क्यों

विडंबना ही है कि सदा से ही प्रकृति से मिले रंग-रूप को भी उपहास और अभद्र टिप्पणियां करने का विषय बनाया गया। समय के साथ बदलाव भी इस मोर्चे पर सब कुछ नहीं बदल पाए हैं। असल में इस फ्रंट पर मानसिकता बदले बिना बदलाव आना मुश्किल है। पक्के-सांवले रंग को लेकर दयनीय समझने के बजाए किसी महिला की काबिलियत और अच्छे बर्ताव को महत्व देने की सोच जरूरी है। संपूर्ण व्यक्तित्व को आंकने का भाव आवश्यक है। मेहनत से अर्जित की गई योग्यता के प्रति सम्मान के भाव को पोसना जरूरी है। आखिर कब तक स्किन कलर से जुड़ी सोच स्त्रियों की असहजता का कारण बनी रहेगी? पक्के रंग के कारण अपमान और उपहास वाले शब्द कब तक जीना दूभर करते रहेंगे? कुछ समय पहले राजस्थान के झालावाड़ जिले में शादी के बाद से ही पति द्वारा रंग को लेकर तंज करने और फब्तियां कसने के चलते पत्नी ने सुसाइड कर ली थी। समझना जरूरी है कि ऐसी घटनाओं के पीछे पीड़ा और तानों-उलाहनों की लंबी फेहरिस्त है। ऐसे में समग्र समाज की मानसिकता में बदलाव आए बिना यह भेदभाव नहीं रुक सकता। सांवली बेटी को लेकर सहजता तभी आएगी, जब सांवली बहू को स्वीकार करने में असहजता नहीं रहेगी।

बाजार ने भी दिया बढ़ावा

असल में रंगभेद की सोच सोशल सिस्टम में तो थी ही, इसे बाजार ने भी बढ़ावा दिया है। कितने ही प्रोडक्ट्स के विज्ञापन चेहरे को गोरा बनाकर सबको लुभाने, हर ओर छा जाने का भाव दिखाते रहे हैं। अफसोस कि खूबसूरत दिखने के लिए गोरे रंग को जरूरी बताने वाली मानसिकता की यह लड़ाई आज तक जारी है। चेहरे को निखारने से शुरू हुए उत्पादों का बाजार अब गोरा बनाने वाले प्रोडक्ट्स तक जा पहुंचा है। शादी-ब्याह से लेकर नौकरी पाने तक और आत्मविश्वासी दिखने से लेकर आत्मनिर्भर बनने तक। गोरा बनाने वाले अनगिनत उत्पादों के विज्ञापनों में बताया-समझाया जा रहा है कि गोरा रंग लगभग हर समस्या का हल है। अब रील्स वीडियोज में गोरा बनने के गुर बताकर लाखों व्यूज बटोरे जा रहे हैं। रंग निखारने का वादा और दावा करने वाले वीडियोज से सोशल मीडिया अटा पड़ा है। ऐसे में जरूरी है कि स्त्रियों में अपने-अपने रंग-रूप के प्रति स्वीकार्यता का भाव हो। परिवेश के तानों-उलाहनों की आत्मविश्वास के साथ अनदेखी करने और बाजार का खेल समझने की सोच को बल मिले। साथ स्वजन ही नहीं, अपरिचित लोग भी अपना नजरिया बदलें। समग्र समाज की सोच में बदलाव आए बिना, भेदभाव पोषित करने वाली इस मानसिकता से नहीं निकला जा सकता है।

शादी से पहले पार्टनर के साथ क्लीयर कर लें करियर से जुड़ी बातें

आज हर लड़की अपना करियर बनाना चाहती है। लेकिन शादी के बाद करियर में बहुत सी बाधाएं आती हैं, यहां तक कि कई बार करियर बनाने का इरादा छोड़ना पड़ता है। ऐसा न हो, इसलिए अपने भावी जीवनसाथी से शादी से पहले ही खुलकर बात कर लें।

एडवाइस

नम्रता नदीम

एमबीए कर चुकी नेहा की शादी एक संपन्न परिवार में हुई थी। शादी के बाद हंसी-खुशी कुछ माह बीत गए। नेहा का पति एक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी में उच्च पद पर कार्यरत था। नेहा को जब घर बैठे बोरियत होने लगी तो उसने जॉब्स के लिए इच्छा जताई और कई कंपनियों में अप्लाई कर दिया। ऐसा करना था कि पति नाराज रहने लगे। उन्हें यह पसंद नहीं था कि उनकी पत्नी जॉब करे। उनका कहना था, जब वह अच्छी-खासी कमाई कर रहे हैं, वह और उनका परिवार इस कमाई से संतुष्ट है तो नेहा कमाने के लिए घर से बाहर क्यों निकले? घर में इस बात पर दोनों में तकरार होने लगी। एक दिन ऐसा भी आया, जब नेहा को भी एक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी में बहुत अच्छी सैलरी पर जॉब मिल गई। पति ने इस बात का कड़ा विरोध किया। अंततः नेहा ससुराल से मायके आकर रहने लगी। इस तरह पत्नी के सपने पति पर भारी पड़े, दोनों के रिश्ते टूटने की कगार पर पहुंच गए। इसलिए जरूरी है, जब भी कोई लड़की वैवाहिक बंधन में बंधने वाली हो तो उसे पहले ही मंगेतर से अपने करियर को लेकर बातें क्लीयर कर लेनी चाहिए।

रिश्ते में बंधने से पहले: अगर आप किसी रिश्ते में जुड़ने जा रही हैं तो पहले ही भावी जीवनसाथी से यह जान लें कि आपको लेकर उसकी क्या अपेक्षाएं हैं? आपके करियर को लेकर उसकी क्या सोच है? अगर आपका पार्टनर अपने सपनों की उड़ान तो बहुत ऊंची भरना चाहता है, लेकिन आपके करियर को कोई महत्व नहीं देना चाहता और आप हैं कि जीवन में बहुत आगे बढ़ना चाहती हैं, आत्मनिर्भर रहना चाहती हैं तो यह जान लें, उसके साथ वैवाहिक बंधन में बंधकर आपके सपने पूरे नहीं हो पाएंगे। कहने का आशय यह है, आप दोनों एक-दूसरे की महत्वाकांक्षाओं को कितना महत्व देंगे, इस बात की पुष्टि शादी से पहले ही कर लें। अगर आप जॉब करने की इच्छुक हैं तो पहले से ही भावी जीवनसाथी ही नहीं, उसके परिवार के सदस्यों से भी खुलकर बात कर लें। यदि आपको लगता है कि आगे जॉब करने की इजाजत नहीं होगी तो ऐसे रिश्ते को एक्सेप्ट करना सही नहीं होगा।

हो बैटर अंडरस्टैंडिंग

अगर पति-पत्नी दोनों के बीच आपसी प्यार है, अच्छी अंडरस्टैंडिंग है तो दोनों ही एक-दूसरे के सपनों को महत्व देंगे। इन्हें पूरा होने में बाधक नहीं बनेंगे। एक-दूसरे की बेहतरी के लिए जो भी अच्छा हो सकता है, करेंगे। महत्वाकांक्षी पति-पत्नी को एक-दूसरे के सपनों की मंजिल पाने में मदद के लिए तैयार रहना चाहिए।

स्वार्थी न बनें: यह सच है कि हर किसी को अपने सपने पूरे करने का हक है, लेकिन इन्हें ऊपर रखते हुए अपने साथी की जरूरतों को नजरअंदाज करना भी सही नहीं है। अपना करियर जरूर संवारें, लेकिन ऐसा न हो कि आपके एंबीशन इतने ज्यादा हों कि आप और आपके पार्टनर के बीच कोई तालमेल न हो सके। अपने सपनों की उड़ान में आप उसके सपनों को पूरा करने में कितनी सहायक हो सकती हैं, इसके बारे में जरूर सोचें, क्योंकि करियर को लेकर दोनों के बीच तालमेल स्थापित होना जरूरी है।

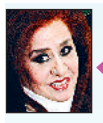

उलझे बालों की समस्या दूर कर देंगे ये हेयर मास्क

हेयर केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

किसी फंक्शन या पार्टी में जाने के लिए, आप अपने बालों में तरह-तरह के प्रोडक्ट्स और टूल्स का इस्तेमाल करती हैं। इससे आपके बालों की लेयरिंग खराब हो जाती है। वो डल और बेजान दिखने लगते हैं। इस वजह से कई बारे बाल उलझ भी जाते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए आप हेयर मास्क का यूज कर सकती हैं, जो आपके बालों को मुलायम और सुलझा हुआ बना देंगे।

नारियल दूध-शहद का मास्क: बालों को उलझने से बचाने के लिए नारियल का दूध और शहद का मास्क बहुत यूजफुल है। इसे बालों पर लगा कर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। बाद में सिर को ताजे सामान्य पानी से धो डालें। नारियल का दूध बालों की डीप हाइड्रेशन करता है, जबकि शहद बालों में नमी को बनाए रखता है, जिससे बाल मजबूत और मुलायम रहते हैं और आपस में उलझते नहीं हैं। इसे बनाने के लिए कांच के कटोरे में एक चम्मच नारियल तेल और एक चम्मच शहद का मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को गैस पर हल्की आंच पर तब तक गर्म करें, जब तक यह पूरी तरह पिघल न जाए। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसमें एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डाल दें। अब इस मिश्रण को गीले बालों पर लगा लीजिए। आप इसे ड्राई बालों पर भी लगा सकती हैं। ड्राई, फ्रीजी बालों पर अच्छी तरह लगाने के बाद बालों को कैप से ढंक लीजिए और 45 मिनट तक लगा रहने दीजिए। आप चाहें तो बालों का जूड़ा भी बना सकती हैं। 45 मिनट बाद बालों को शैंपू से धो लें।

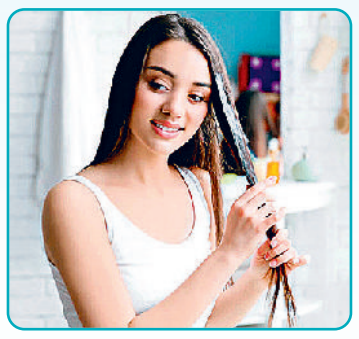

एवोकाडो-नारियल तेल मास्क: एवोकाडो और नारियल तेल का हेयर मास्क भी बालों को उलझने से बचाता है। इसे बनाने के लिए एक पके एवोकाडो को ग्लास बॉउल में मैश कर लें। इसमें दो-तीन बूंदें नारियल तेल डालकर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को अपनी अंगुलियों के माध्यम से बालों और स्कैल्प पर धीरे-धीरे लगाएं। बाद में बालों को धो डालें। एवोकाडो बालों को नमी और पोषण प्रदान करता है।

एवोकाडो-ऑलिव ऑयल मास्क: एवोकाडो और ऑलिव ऑयल हेयर मास्क बनाने के लिए एक एवोकाडो को अच्छी तरह मैश कर लें। इसमें 1/4 कप ऑलिव ऑयल और एक चम्मच नीबू का रस मिला लें। इसे शुष्क बालों पर जड़ों से ऊपर की ओर लगाएं और आधे घंटे बाद ताजे साफ पानी से धो डालें। नीबू में एंटीफंगल गुणों की वजह से बालों में यह पैक डेंड्रफ को कंट्रोल करता है। एवोकाडो से आपके बालों को भरपूर पोषण मिलता है और बाल आपस में उलझते भी नहीं हैं।

होम मेकर्स के लिए परफेक्ट डाइट प्लान

आमतौर पर होम मेकर्स अपनी हेल्थ-डाइट का ध्यान नहीं रखती हैं। हेल्दी, रहने के लिए उन्हें भरपूर न्यूट्रिएंट्स की जरूरत होती है। कैसी होनी चाहिए आपकी डाइट इस बारे में आपके लिए यूजफुल सजेशंस।

डाइट सजेशन

अंजू जैन

अधिकतर महिलाएं हमेशा घर के दूसरे सदस्यों की जरूरतें पूरी करने में ही जुटी रहती हैं। अपने खान-पान पर जरूरी ध्यान नहीं देती हैं। उन्हें कोई अपना ध्यान रखने के लिए कह भी दे, तो उनका जवाब कुछ ऐसा होता है, 'अरे हमें कौन सी भाग-दौड़ करनी पड़ती है, दिन भर घर में ही तो रहना है। कुछ भी खा लेंगे, कभी भी खा लेंगे।' लेकिन ऐसी सोच हेल्थ के लिए सही नहीं होती है।

नॉन स्टॉप काम: आमतौर पर होम मेकर्स को पुरुषों से भी ज्यादा देर तक काम करना पड़ता है। पुरुष भले ही घर से बाहर 8-10 घंटे काम करते हों लेकिन होम मेकर्स को तो राउंड दी क्लॉक यानी 16 से 18 घंटे ऑन ड्यूटी रहना पड़ता है। वर्किंग पुरुषों को शनिवार, रविवार, त्योहारों पर अवकाश तो मिल जाता है, लेकिन होम मेकर्स को तो 365 दिन काम में लगे रहना पड़ता है। ऐसे में होम मेकर्स को अपनी डाइट का विशेष ध्यान रखना चाहिए। यह न सिर्फ आपकी हेल्थ के लिए जरूरी है बल्कि घर के दूसरे सदस्यों के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि आप फिट रहेंगी, तभी तो उनकी बेहतर देखभाल कर पाएंगी। इस लिहाज से घर के पुरुष सदस्यों को भी होम मेकर्स की डाइट के प्रति विशेष रूप से कॉन्शस रहना चाहिए।

कैसी हो डाइट: होम मेकर्स की डाइट कैसी हो, इस बारे में बता रहे हैं।

- 10-12 गिलास पानी हर रोज पिएं। सॉफ्ट ड्रिंक या मीठे शरबत के बजाए सादा पानी ही सर्वोत्तम होता है। ताजा फलों का रस और छाछ आदि पी सकती हैं। खाने से तुरंत पहले या तुरंत बाद ज्यादा पानी न पिएं। इसमें 30-45 मिनट का अंतर रखें। खाना खाते ही पानी पीने से पाचक रस का असर खत्म हो जाता है। पाचन में दिक्कत आती है।
- सुबह सवेरे कई तरह के काम रहते हैं, इसलिए शांति से बैठकर नाश्ता करने की फुरसत नहीं मिलती। ऐसे में भूखे पेट रहना ठीक नहीं। आपको कुछ ड्राई फ्रूट्स (जैसे भीगे हुए बादाम) खा लेने चाहिए। सेब, केला, अमरूद या चीकू भी सुबह के नाश्ते के लिए अच्छे विकल्प हैं।

- अंकुरित अनाज या भीगी हुई दाल से कुछ पौष्टिक आहार बना सकती हैं।
- घर में कुछ तरह की चटनियां आपको हमेशा रखनी चाहिए। स्वाद और सुविधा के मुताबिक आप नारियल, इमली, धनिया, पुदीना, करौंदा, कच्चे आम आदि की चटनियां बना सकती हैं। ये भोजन में रुचि जगा कर स्वाद तो बढ़ाती ही हैं, इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।
- हर रोज सलाद जरूर खाएं। मौसम और उपलब्धता के अनुसार टमाटर, प्याज, खीरा, गाजर, चुकंदर, लेट्यूस आदि का सलाद बना सकती हैं। इनमें घुलनशील फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो आपके लिए सेहतमंद होते हैं। साथ ही इनसे पेट जल्दी भरता है, इसलिए आप ज्यादा खाने से बच जाती हैं।
- प्रतिदिन वर्कआउट जरूर करें। मॉर्निंग या ईवनिंग वॉक, स्विमिंग, डांस, योगा, एरोबिक्स, कुछ न कुछ जरूर अपनाएं।
- बेकरी आइटम्स, ऑयली फूड्स से बचें।
- रात को हमेशा समय पर सोएं। कम से कम सात घंटे की नींद जरूर लें। दोपहर में भी थोड़ा-सा समय निकालकर 30-45 मिनट की झपकी जरूर लें।
- चोकरयुक्त आटे की रोटी खाएं, इससे पर्याप्त फाइबर मिलेगा।

(डाइटीशियन-न्यूट्रीशनिस्ट निधि शुक्ला पांडेय और डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

ग्रैंड पैरेंट्स के साए में बच्चे

आज अधिकांश कपल्स वर्किंग हैं, उनके सामने अपने बच्चों की परवरिश की समस्या रहती है। ऐसे में घर के बुजुर्ग बच्चों की परवरिश हंसी-खुशी कर रहे हैं। इन्हें ही नहीं, बच्चों को भी अपने दादा-दादी या नाना-नानी के साथ का सुख मिल रहा है।

परवरिश

नम्रता

बढ़ते एकल परिवारों की मजबूरी के चलते दादा-दादी, नाना-नानी कहीं पीछे ही छूट गए हैं। लेकिन अब पति-पत्नी दोनों के काम-काजी होने के कारण दिनभर उनकी अनुपस्थिति में बच्चों के अकेलेपन को दूर करने और बेहतर परवरिश के लिए काम-काजी पति-पत्नी फिर से उन्हें दादा-दादी, नाना-नानी के साए में पालना सही समझते हैं। सिंगल पैरेंटिंग, तलाक के बाद एक पार्टनर का अलग होकर शादी करना, दोनों का अलग होकर फिर से शादी करना, करियर में व्यस्तता और भी इसी तरह के तमाम कारणों से कई परिवारों में दादा-दादी और नाना-नानी बच्चों के लालन-पालन की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

एंज्वॉय करते हुए बच्चों की परवरिश: वंशिका पति से अलगाव के बाद अपने मायके में रहने के लिए आ गई। कोर्ट में तलाक का मुकदमा चल रहा है। वंशिका स्वयं वर्किंग है। उसके पिता उच्च पदस्थ सरकारी कर्मचारी रहे हैं। रिटायरमेंट के बाद वह और उनकी पत्नी वंशिका की बेटी को पालने की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। 58 वर्षीय उनकी मां कहती हैं, 'मैं अपनी धेवती को लेकर शाम को जब पार्क जाती हूं तो मेरी ही तरह की और कई ऐसी महिलाएं हैं, जो गांव-कस्बे से अपने घर को छोड़कर अपने पोते-पोतियों की परवरिश कर रही हैं। उनके साथ हमारी गपशप होती है, हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया हुआ है। सुबह बच्चों को स्कूल भेजने के बाद हम लोग पार्क में आते हैं, तब तक बेटी और दामाद तैयार होकर दोपहर का खाना बनाकर ऑफिस चले जाते हैं। सुबह के समय ही हम घर से बाहर निकल पाते हैं। यहां हम लोगों से मिल-जुलकर खुश होते हैं। हमारी वॉक भी हो जाती है और हमें भी यह अहसास होता है, रिटायरमेंट के बाद हम खाली नहीं बैठे हैं। हमारा भी समय बच्ची के साथ हंसते-खेलते गुजर जाता है, बोरियत नहीं होती।'

बच्चे सीख रहे हैं बहुत कुछ: दादा-दादी, नाना-नानी की परवरिश में पलने वाले बच्चे अब उनके सान्निध्य में जिंदगी से जुड़े बहुत से खेल और काम सीखते हैं। उनको भी इनका साथ अच्छा लगता है। मुंबई में रह रही मिसेज अरोड़ा अपनी पोती को खाना बनाना सिखा रही हैं, सिलाई, बुनाई और कढ़ाई में पारंगत मिसेज अरोड़ा के ये पुराने शौक, जिन्हें उन्होंने अपने बच्चे पालने की व्यस्तता में बिसरा दिया था, अपनी पोती के बहाने उनके ये शौक फिर से नए रूप में सामने आ रहे हैं। मिसेज अरोड़ा कहती हैं, 'हमारे रिश्तेदार अकसर हमें इस बात का ताना देते हैं कि हमारी बहू अपने बच्चे की परवरिश के लिए हमें अपने शहर से दूर मुंबई ले गए हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं मानते। हम पति-पत्नी को यह लगता है कि हम कोई उन पर एहसान नहीं कर रहे। न इसके लिए हम अपनी सेहत की कुर्बानी दे रहे हैं बल्कि बच्चों के साथ हमारा समय कैसे कट जाता है, हमें पता ही नहीं चलता। हमें इससे असीम सुख की अनुभूति होती है।'

बच्चों के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच: मजबूरीवश ही सही सोशल मीडिया के इस दौर में आज दादा-दादी, नाना-नानी जैसे रिश्ते, जो पिछले कुछ सालों से हाशिए पर चले गए थे, उनकी इस जनरेशन ने अब कीमत पहचानी है। हमारे बुजुर्ग, हमारे बच्चों के दादा-दादी या नाना-नानी उनके लिए जो कुछ भी कर रहे हैं, वह करना आसान नहीं है। बच्चों को क्रेच में छोड़ने या मेड के भरोसे रखना सही नहीं है। हमारे माता-पिता के साथ बच्चों का रक्त संबंध है, बच्चों को भी अच्छा लगता है और हमारे माता-पिता भी हमारे साथ रहते हैं। दादा-दादी, नाना-नानी हमारे परिवार का एक मजबूत आधार और बच्चों के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच हैं।

खबर संक्षेप

सोनीपत। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए।

मेधावी छात्रों ने उड़ान में लहराया परचम

सोनीपत। भीम नगर में उड़ान सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली विद्यापीठ के तीन छात्रों नैतिक, वंदना और छवि ने गोल्ड मेडल जीते। संविधान और सामान्य ज्ञान पर आधारित इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों का ज्ञान वर्धन करना था। विद्यालय में आने पर प्रधानाचार्या आराधना ग्रोवर ने सभी विजेताओं का स्वागत किया। विद्यालय संचालक वीर सिंह सैनी ने बच्चों को शुभकामनाएं दीं। डॉ बीआर अम्बेडकर के सम्मान में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य तभी सफल होगा जब हम सभी मिलकर बच्चों को ज्ञान वर्धन के लिए प्रयास करें।

पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया डीसीआरयूएसटी में शुरु

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में पीएचडी के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। पीएचडी के लिए 20 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 1 मई को प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। डीसीआरयूएसटी, मुरथल के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में पीएचडी के के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। पीएचडी में प्रवेश के इच्छुक 20 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 22 अप्रैल को विवि की वेबसाइट पर एडमिट कार्ड उपलब्ध हो जाएगें। 1 मई को प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। 7 व 8 मई को डीआरसी की मीटिंग होगी।

जिला पेंचक सिलात स्पर्धा 17 को प्रताप स्कूल में

खरखौदा। छठी जिला सोनीपत पेंचक सिलात प्रतियोगिता का आयोजन 17 अप्रैल को प्रताप स्कूल में किया जाएगा। जिला सोनीपत पेंचक शिलात एसोसिएशन के सचिव जगमेंद्र पांचाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता सभी आयु व भार वर्ग में महिला व पुरुष दोनों वर्ग क़ी कराई जाएगी। सभी खिलाड़ियों का वजन सुबह 8 बजे लिया जाएगा व 10 बजे प्रतियोगिता शुरू क़ी जाएगी। इस प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी 21 से 24 अप्रैल को गोहाना में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

क्रियान्वयन योजना के अनुरूप पढ़ाएं शिक्षक

गोहाना। शहर में गुढ़ा रोड स्थित गीता विद्या मंदिर में शैक्षिक कौशल विकास योजना के अन्तर्गत आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की। संयोजन शिक्षिका रजनी ने किया। मुख्य वक्ता विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एडवोकेट तिलक राज रेहलन ने कहा कि पाठ्यक्रम का वर्गीकरण कर क्रियान्वयन की योजना बनाकर कार्य करवाएं। इस अवसर पर प्रबंधक डॉ. मनोज शर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ. मुकेश एवं अभिषेक उपस्थित रहे।

पार्क के सौन्दर्यकरण के लिए समिति सक्रिय

खरखौदा। मटिंडू बाईपास चौक पर स्थित सावित्रीबाई फुले महिला पार्क अब समिति के हवाले हो चुका है। जिसके चलते समिति द्वारा अब पार्क में हरी घास की व्यवस्था कर दी गई है। इसके अलावा पूरे पार्क में नई पाइपलाइन दबाई गई है, ताकि पूरे पार्क में हरियाली हो सके और सभी पौधों को समय पर पानी मिल सके। समिति की योजना है कि आने वाले समय में पार्क के मध्य में एक फव्वारे की भी व्यवस्था की जाएगी, ताकि पार्क का आकर्षण बढ़े। जब से समिति ने पार्क अपने आधीन किया है तब से समिति द्वारा इस पार्क में एक केयर टेकर की व्यवस्था की गई है। सावित्रीबाई फुले सेवा समिति प्रधान मदन सैनी ने बताया कि नगर पालिका द्वारा जो-जो कार्य समिति के जिम्मेदारी सौंपी हैं। समिति उन कार्यों को लगातार कर रही है।

जिलेभर में डॉ. अम्बेडकर की 135वीं जयंती को लेकर कार्यक्रम आयोजित

मानव अधिकारों को ढाल देकर गए हैं बाबा साहेब

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

मानव अधिकार सरंक्षण संघ राष्ट्रीय कार्यालय में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वी जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पूर्णमल गौड़ द्वारा की गई। संघ के राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुभाष सिसोदिया द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयवीर गहलावत ने इनके जीवन का अनुसरण करने वाले किसी भी तरह का सामाजिक भेदभाव नहीं करता है। सभा में नकीन मेहरा, दिलबाग सिंह, सतपाल राणा, डॉ. योगी मलिक, सत्यवान सरोहा, सत्यवीर आर्य, दिलबाग मोरवाल, बन्नी सिंह बल्हारा, सुशील गोयल, सत्यपाल तेवड़ी, विकास मेहरा एवं संदीप उपस्थित रहे।

सोनीपत। बाबा साहेब को नमन करत पदाधिकारी एवं सदस्यगण। फोटो : हरिभूमि

कुष्ठ आश्रम में चलाया अभियान और वितरित किए फल और दवाई

सोनीपत। सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया की तरफ से सेक्टर-15 स्थित कुष्ठ आश्रम में भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती पर वरिष्ठ नागरिक व जरूरतमंद लोगों को फल व दवाई वितरित की गई। सेवा ट्रस्ट (यूके) इंडिया सोनीपत के प्रधान सुरेश वत्स के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। प्रधान सुरेश वत्स ने बताया कि कुष्ठ आश्रम में वह 27 परिवार रह रहे हैं जिनका कोई अपना नहीं हैं। उनकी देखभाल कुष्ठ आश्रम प्रबंधन की ओर से की जा रही है। सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया की टीम समय-समय पर कुष्ठ आश्रम, भट्ठों पर श्रमिकों, विद्यार्थियों और स्लम क्षेत्र में भी इम्यूनिटी बूस्टर किट भी भेंट कर रही है। प्राध्यापक दिलबाग सिंह ने संदेश दिया कि बाबा साहेब डॉ. बीआर आंबेडकर सिर्फ नेता नहीं थे, उन करोड़ों लोगों के लिए उम्मीद थे जिन्हें समाज ने हाशिए पर धकेल दिया था। इस दौरान सुनील छतेहरा, पहलवान हवासिंह आंतिल, रामनिवास, पवन पालीवाल, प्रवीण वत्स, अर्पित सिंह, मास्टर सुरेंद्र कश्यप, रमेश मदान भी मौजूद रहे।

बाबा साहेब की प्रतिमा पर अर्पित किए पुष्प

सोनीपत। अंबेडकर पार्क निकट बस अड्डा में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मोत्सव के अवसर पर समता सैनिक दल की ओर से भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। प्रदेशाध्यक्ष कैप्टन यशवंत राव चौहान ने पुष्प अर्पित कर माला अर्पण किया। उन्होंने बाबा साहब द्वारा किए गए संघर्ष और दिए गए बलिदान के बारे में अवगत करवाया।

इस मौके पर किरणपाल सिंह बामनिया प्रदेश महासचिव, राहुल कुमार प्रदेश सचिव, रणबीर सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष, दिनेश कुमार चौहान प्रदेश लीगल एडवाइजर, जय किशन कुमार जिला अध्यक्ष, अजय कुमार जिला सचिव, मीना देवी, मंजू देवी, उषा रानी, सिद्धार्थ कुमार, मुकुल कुमार आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। बाबा साहेब को नमन करते हुए समता सैनिक दल के पदाधिकारी।

जाति-पाति के भेदभाव के सख्त खिलाफ थे बाबा साहब : कुणाल

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

- अम्बेडकर जयंती पर इनेलो ने बाबासाहब को किया नमन

इनेलो ने भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर अंबेडकर चौक सोनीपत पर पुष्प अर्पित करके सभा में शिरकत की। कार्यकर्ताओं ने डा. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इनेलो जिलाध्यक्ष कुणाल गहलावत ने कहा कि डा. अंबेडकर महान समाज सुधारक थे। वह जाति-पाति के भेदभाव के सख्त खिलाफ थे और इस भेदभाव को समाप्त करने के लिए उन्होंने भरसक प्रयास किए। डा. अंबेडकर ने भारत का ऐसा संविधान बनाया, जिससे हर वर्ग का भला हुआ। डा. अंबेडकर ने समाज सुधार के लिए अनेकों कार्य किए।

सोनीपत। बाबा साहेब को नमन करते हुए इनेलो पदाधिकारी।

इस अवसर पर इनेलो के युवा जिला विकास मलिक, हल्का सोनीपत अध्यक्ष महाबीर शर्मा, नितिन तनेजा, किसान नेता जसमेर मोहाना, आशीष सुहाग, प्रदीप सैनी, सतपाल प्रजापत ने नमन किया।

स्वावलंबन तथा युवा मंच ने बाबा साहेब जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

गन्नौर। गांव बेगा में स्वावलंबन तथा युवा मंच बेगा के कुशल नेतृत्व में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। बतौर मुख्यातिथि डीएसपी पानीपत ज्योति भन्खड़ ने शिरकत की। अध्यक्षता सुरेन्द्र सरपंच बेगा ने की। स्वावलंबन मंच के संस्थापक डा.अत्तर सिंह द्वारा बच्चों से क्विज प्रतियोगिता कराई और विजेताओं को 500-500 रूपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया। मंच के संस्थापक डा. अत्तरसिंह ने कहा बाबा साहेब के दिए गए सिद्धांतों पर युवा चलें तो निश्चित रूप से सफल होंगे। बाबा साहब ने कहा है कि कभी सफलता निश्चित नहीं होती और असफलता अंतिम नहीं होती। मुख्यअतिथि डीएसपी ज्योति भनखड़ ने कहा कि गरीब पैदा होना हमारे बस में नहीं लेकिन हम गरीबी में ना मरे यह हमारे हाथ में है। मंच संचालक डा. अत्तर सिंह ने कहा किया। इस मौके पर युनुस नम्बरदार, प्रवीन, निखिल, अमित, सुनील, अक्षय, जोनी, सचिन, हन्नी आदि गणमान्य लोग मौजूद थे।

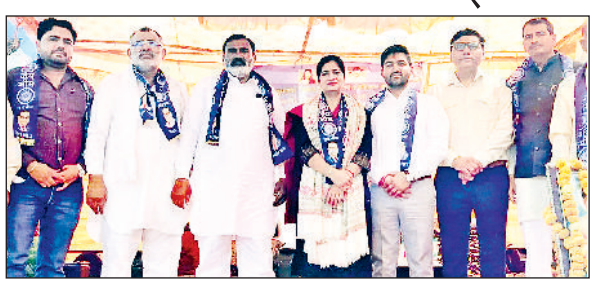

गन्नौर। मेधावी छात्रों को सम्मानित करते मुख्यातिथि डीएसपी पानीपत ज्योति भन्खड़ व डा. अत्तर सिंह। फोटो : हरिभूमि

बाबा साहेब के पद चिन्हों पर चलने की प्रतिज्ञा ली

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

कांग्रेस नेता डा. सत्यबीर निर्माण ने अपने साथियों द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर बाबा साहेब को माल्यार्पण किया और उनके पद चिन्हों पर चलने की प्रतिज्ञा की।

इस अवसर पर डा. निर्माण ने कहा कि डा. बीआर अंबेडकर एक संघर्षशील, कठिन परिश्रमी, समाज सुधारक राष्ट्रीयवादी, मानवतावादी और समतावादि व्यक्तित्व के जीते-जागते उदाहरण थे। डा. अंबेडकर ने सदैव ही शिक्षा पर प्रबल दिया। वे कहते थे शिक्षा उस शेरनी का दूध है जो पीयेगा वह दाहड़ेगा जरूर। इस अवसर पर हसराज प्रधान, राहुल निर्माण एडवोकेट, सतपाल, प्रशांत शर्मा, नरेश, नरेन्द्र बोहद, सत्यवान, राकेश, कृष्ण, सुरजमल, राजेन्द्र, रिसाल सिंह आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। बाबा साहेब की प्रतिमा को नमन करते हुए कांग्रेस नेता डा. सत्यबीर निर्माण।

बाबा साहेब के विचारों को जानना जरूरी : इंदुराज

गोहाना। डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए विधायक इंदुराज नरवाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

गोहाना। बरोदा विधानसभा के कांग्रेस विधायक इंदुराज नरवाल ने कहा कि संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर को जानने के लिए उनके विचारों को समझना जरूरी है। विधायक सोमवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर गोहाना में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल एक वर्ग विशेष के नहीं बल्कि महान राष्ट्र निर्माता, विचारक और संविधान निर्माता थे। वह न केवल भारत को एक समावेशी और प्रगतिशील संविधान दिया, बल्कि करोड़ों दलितों, पिछड़ों और वंचितों को न्याय, सम्मान और अधिकार की आवाज दी। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और साहस की मिसाल है, जिसने देश की सामाजिक बुनियाद को मजबूती दी। कार्यक्रम में जिला पार्षद रवि इंदौरा, जगशेर नूरनखेड़ा, ईश्वर, अशोक बामनिया, राममेहर मान, डॉ. मुकेश, पवन, मास्टर भलेराम, रणबीर डीपी, आजाद दांगी, धर्मबीर और धर्मपाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अम्बेडकर ने समानता को दिया बढ़ावा

सोनीपत। डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस दौरान आम आदमी पार्टी के सोनीपत लोकसभा क्षेत्र के अध्यक्ष देवेन्द्र गौतम, शहरी जिला अध्यक्ष राजेश सरोहा, जिला मीडिया प्रभारी अमरदत्त भारद्वाज, ब्लाक प्रधान शेर मोहम्मद, राई ब्लाक प्रधान अजय, छात्र नेता वंश आर्य, व्यापार मंडल अध्यक्ष दीपक चुघ, मोहित, योगेशपाल आदि ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। आप नेता देवेन्द्र गौतम ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने जीवनभर सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा की परिवर्तनकारी क्षमता समझते हुए दलितों के उत्थान के लिए शिक्षा के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कॉलेजों की स्थापना की और दलित समुदाय को जाति एवं सामाजिक असमानता की बेड़ियों को तोड़ने के साधन के रूप में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। सभी ने बाबा साहेब के द्वारा बनाए हुए संविधान की रक्षा के लिए के लिए प्रण लिया।

सोनीपत। अम्बेडकर को श्रद्धांजलि देते आप नेता।

विधायक ने अम्बेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

खरखौदा। जनसमूह को संबोधित करते भंते तिलक राज बोध।

खरखौदा। शहर में डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई। डॉ भीमराव अम्बेडकर भवन एवं शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि एवं विधायक पवन खरखौदा ने अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यमुनानगर रवाना हो गए। भंते तिलक राज बोध ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि अम्बेडकर की प्रतिमा पर माला तो है लेकिन उनके विचारों पर ताला है। उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों को हर संभव मदद दी जानी चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में संस्था अध्यक्ष आजाद सिंह,उप प्रधान रामफल मेहरा, महासचिव राम कंवार सिंहमार, संयुक्त सचिव महेंद्र सिंहमार, कोषाध्यक्ष बलबीर सिंह, पूर्व प्रधान जिले सिंह सरोहा, पूर्व उप प्रधान आजाद सिंह भौरिया, धर्म सिंह मेहरा, मनीष सिंहमार,महाबीर, बृजभूषण, करतार रोहणा, जितेंद्र, प्रीतम खोखर, जयनारायण बरोणा, राजपाल के नाम शामिल हैं। माल्यार्पण के बाद शहर भर शोभायात्रा निकाली गई।

अग्रसेन धाम कुंडली में मेयर का स्वागत

सोनीपत। अग्रसेन धाम कुंडली में दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता एवं नगर निगम मेयर राजीव जैन का अग्रवाल समाज की तरफ से पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। दोनों नेताओं ने कुलदेवी मां महालक्ष्मी के दरबार में माथा टेका और सर्व समाज के कल्याण की कामना की। मंच का संचालन धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने किया। मेयर राजीव जैन ने कहा कि भाजपा सरकार ने महाराजा अग्रसेन के नाम से हिसार में एयरपोर्ट की सौगात देकर पूरे विश्व में उनके नाम को गुंजायमान किया है। हरियाणा सरकार ने अब अग्रोहा के टीले की खुदाई से जो महाराजा अग्रसेन के इतिहास की जानकारी मिलेगी उससे शोध का विषय आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर नए बने ट्रस्टी अधिवक्ता सुरेश जैन, राकेश अग्रवाल, टिका राम मित्तल, अजय गर्ग अधिवक्ता, हरी प्रकाश मंगला, संजय सिंगला, सतबीर सिंगला, शिव कुमार गोयल,

सोनीपत। मेयर राजीव जैन का स्वागत करते धाम के पदाधिकारी।

महावीर गोयल का भी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया तथा कार्यक्रम में जैन संत विवेक मुनि, अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक नर्मदा शंकर के आशीर्वचन मिले तथा पूर्व विधायक महेंद्र गोयल, राजेंद्र अग्रवाल, दीपक मंगला, दया शंकर गुप्ता, अतुल सिंघल, अंकुर गोयल, मीतू बंसल, पवन गुप्ता, राजेश गुप्ता, अशोक गर्ग, रमेश बंसल आदि आदि भक्त उपस्थित रहे।

उदेशीपुर गांव से लोग प्रधानमंत्री की रैली में पहुंचे

- भाजपा पूर्व हलका प्रभारी कप्तान नांदल के नेतृत्व में हुए रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭गन्नौर

उदेशीपुर गांव से भाजपा के पूर्व हलका प्रभारी कप्तान नांदल व पूर्व ब्लाक समिति चेयरमैन सोनू के नेतृत्व में हलके से कार्यकर्ता रवाना हुए। कार्यकर्ताओं ने कप्तान के नेतृत्व में भाजपा के जयकारे लगाए और रवाना हुए। भाजपा नेता कप्तान नांदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रदेश को ऐसे तोहफे देने जा रहे है, जो प्रदेश के इतिहास में जुड़ेंगे।

उन्हीं के कदम पर चलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में विकास करवा रहे है। उसके बाद कार्यक्रम में रवाना होने पर सभी का आभार जताया।

गन्नौर। कप्तान नांदल व पूर्व चेयरमैन के नेतृत्व में रवाना होते हुए।

जीवन कौशल पर क्षमता निर्माण वर्कशॉप का आयोजन

जीवन कौशल शिक्षा से ही होगा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास: सुधीर

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में सीबीएसई के सौजन्य से जीवन कौशल पर क्षमता निर्माण वर्कशॉप का विशेष आयोजन किया गया , जिसमें जिले के विभिन्न स्कूलों के 60 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। स्कूल के चेयरमैन सुधीर जैन, सीईओ संजय जैन, डायरेक्टर ध्रुव जैन व स्कूल की प्राचार्या गीता चोपड़ा ने दीप प्रज्ज्वलित कर क्षमता निर्माण वर्कशॉप का शुभारंभ किया। सुधीर जैन ने कहा कि शिक्षा ही एक मात्र ऐसा साधन है जिसके माध्यम से हम अपने भविष्य की नींव तैयार करते हैं। लेकिन ये नींव तब तक कमजोर है जब तक इसमें जीवन कौशल शिक्षा का ज्ञान न हो। छात्रों के व्यक्तित्व का सही विकास हो इसके लिए जरूरी है उसके संपूर्ण पहलुओं पर ध्यान रखा जाए। बिना जीवन कौशल शिक्षा के ये अधूरा है। मौके पर सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन नरेंद्र व डा. अभिलाषा कादयान ने शिक्षकों को जीवन कौशल के पहलुओं से अवगत कराया। वर्कशॉप में ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल के साथ-साथ विवेकानंद पब्लिक स्कूल, तेजस कान्वेंट स्कूल व लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल बख्तावरपुर की टीचरों ने हिस्सा लिया।

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में जीवन कौशल पर आयोजित क्षमता निर्माण वर्कशॉप में प्राचार्या गीता चोपड़ा और सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन नरेंद्र कुमार व डा .अभिलाषा कादयान के साथ प्रतिभागी टीचर। फोटो : हरिभूमि

इतिहास के साथ नए अध्याय को जोड़ने के लिए मोदी आए : शेखर

राई। जाखौली मंडल के अध्यक्ष शेखर आंतिल रवाना होते समय कार्यकर्ताओं के साथ पीएम के जयकारे लगाते हुए।

विकसित भारत विकसित हरियाणा कार्यक्रम में जाखौली मंडल से बसों में बैठकर रवाना हुए

राई। विकसित भारत विकसित हरियाणा कार्यक्रम में भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचार सुनने के लिए जाखौली मंडल के अध्यक्ष शेखर आंतिल के नेतृत्व बसों में बैठकर जाखौली मंडल अध्यक्ष से कार्यकर्ता रवाना हुए।

जगदीशपुर के सरपंच जितेन्द्र के नेतृत्व में पंच व ग्रामीण बस में बैठकर रवाना हुए। रवाना होने से पूर्व मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद व भाजपा व मुख्यमंत्री नायब सैनी के जयकारे लगाए।उनके साथ सतबीर पंच, पंच सुरेन्द्र, रोतहाश, चन्द्रपाल, बाबूराम, सेवाराम, अजय, अशोक हलावत, सुनील कुमार भी रवाना हुए। शेखर आंतिल ने रवाना होने पूर्व संबोधित करते हुए कहा कि यमुनानगर के इतिहास के साथ नए अध्याय को जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा में आए रहे है। हरियाणा की जनता को बड़ी सौगात देंगे।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 101 दीये लगाकर बाबा साहेब को याद किया

अंबेडकर केवल एक व्यक्ति नहीं अपितु एक संस्था थे : विधायक

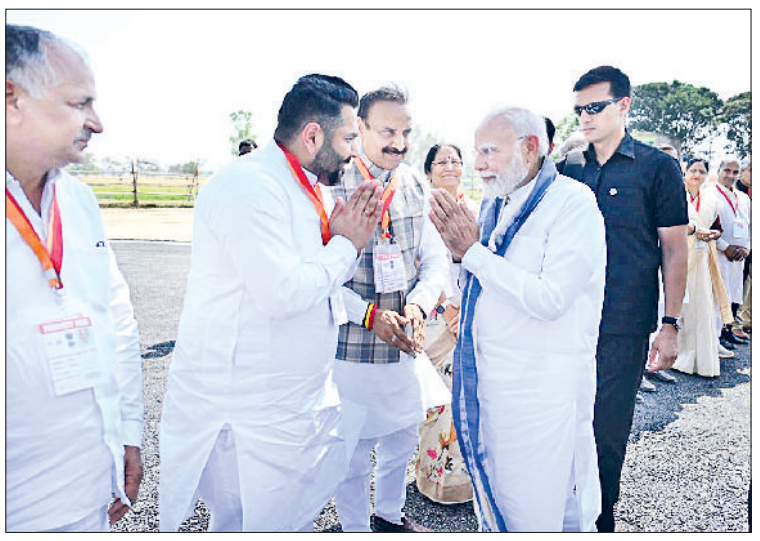

सोनीपत। बाबा साहेब अंबेडकर को नमन करने पहुंचें विधायक साथ में अन्य भाजपा नेता और यमुनानगर में प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए विधायक निखिल मदान व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

■ मदान ने कहा कि अंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री ने हरियाणा वासियों को यमुनानगर में 800 मेगावाट के थर्मल पावर स्टेशन की सौगात दी

विधायक निखिल मदान ने देश के संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

इस दौरान विधायक निखिल मदान बस स्टैंड पर अंबेडकर पार्क में पहुंचे जहां उन्होंने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही इस अवसर पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 101 दिये लगाकर बाबा साहब को याद किया। विधायक निखिल मदान ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु एक संस्था थे, एक विचार थे। जिन्होंने अपना पूरा जीवन वंचित और शोषित वर्ग को उनके अधिकार दिलाने के लिए समर्पित कर दिया। बाबा साहेब सामाजिक समरसता के अग्रदूत के तौर पर सदैव याद रखे जाएंगे। बाबा साहब ने बेहद सीमित संसाधनों के साथ गरीब मजदूर वर्ग के हितों की लड़ाई लड़ी। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, वरिष्ठ भाजपा नेता माई राम कौशिक, निगम पार्षद सुरेंद्र मदान, तरुण देवीदास, मंडल अध्यक्ष आरती शर्मा, सुनीता लोहचाब, पवन दुग्गल, अनिल ठाकुर, तूफान सिंह, शशिकांत भारद्वाज, कृष्ण भाटियादीपचंद आदि लोग मौजूद रहे। इसके उपरांत विधायक निखिल मदान ने यमुनानगर में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में शिरकत की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। निखिल मदान ने कहा कि आज अंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा वासियों को यमुनानगर में 800 मेगावाट के थर्मल पावर स्टेशन की सौगात दी। वहीं हिसार से पहली कमर्शियल फ्लाइट हिसार से अयोध्या का झंडी दिखाकर शुभारंभ भी किया। साथ ही यमुनानगर में बायो गैस प्लांट और रेवाड़ी बाई पास जैसी परियोजनाओं का भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज शुभारंभ किया गया है।

31 नागरिकों ने रक्तदान से किया अंबेडकर को नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए अतिथि और आयोजक।

सकइसरो (सिंबल का नॉलेज अंबेडकर एजुकेशनल एंड सोशल रिफॉर्म आर्गेनाइजेशन) द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर सोमवार को गांव लाठ में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ बतौर मुख्य जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार ने किया। शिविर में 31 नागरिकों ने रक्तदान करके डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी।

रक्तदान शिविर गांव लाठ की अंबेडकर संघर्ष समिति के सहयोग से आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि न्यायधीश दिनेश कुमार ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। समाजसेवा के इस कार्य में हर व्यक्ति को सहभागी बनना चाहिए। सकइसरो के महासचिव समुंद्र बडगूजर ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ज्ञान के वह प्रकाशपुंज थे जिन्होंने पूरे विश्व को शिक्षा की लौ से प्रकाशमान किया। गांव लाठ के संस्था के अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने कहा कि भविष्य में भी इस दिन को रक्तदान महादान के रूप में मनाएंगे। इस आयोजन में राजेश अहलावत, कुलदीप सिंह, अनिल कुमार, नवीन कुमार, अशोक कुमार, मुकेश कुमार भोला, आजाद सिंह,जसवीर सिंह व साहिल का विशेष सहयोग रहा।

बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर निकाली 43 किमी. साइकिल यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। साइकिल यात्रा के दौरान गन्नौर पहुंचें प्रेम गौतम। फोटो : हरिभूमि

सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम गौतम ने सोमवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर सोनीपत से गन्नौर के बीच 43 किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाल उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रेम गौतम ने सरकार से मांग उठाई कि सरकार सप्ताह में एक दिन सभी साइकिल चलाने की मुहिम शुरू करें।

राई। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष व निगम पार्षद पुनीत राई बाबा साहेब की फोटो पर पुष्प अर्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बाबा साहेब की वजह से हैं अधिकार, हर वर्ग है सचेत : दोदवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता जसबीर दोदवा ने सोमवार को गांव बड़ौली में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में बाबा साहेब को नमन किया गया। जसबीर दोदवा ने कहा कि बाबा साहेब की वजह से ही आज दबे कुचले वर्ग के पास भी कई अधिकार है। अगर बाबा साहेब ना होते तो दबे कुचले वर्गों के साथ अन्याय निरंतर जारी रहता, लेकिन बाबा साहेब के प्रयासों से आज की तारीख में निम्न वर्ग अपने अधिकारों के प्रति सचेत है। इस मौके पर वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

सोनीपत। बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्याणर्पण करते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जिलाध्यक्ष साथ में अन्य। फोटो : हरिभूमि

भगत फूल सिंह महिला विवि में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भाषण प्रतियोगिता

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) खानपुर कलां के राजनीति विज्ञान विभाग एवं इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामपाल ने की। उन्होंने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्षों एवं सामाजिक न्याय, समानता तथा संविधान निर्माण में उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्राओं ने डॉ. अंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संदेश में कहा कि इस तरह के आयोजन डॉ. अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ युवाओं को लोकतंत्र, समानता और सामाजिक समरसता के मूल्यों के प्रति जागरूक करने का एक प्रेरणादायक अवसर होते हैं।

निकाली रैली, लगाए जय भीम जय संविधान के नारे

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान युवा प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। हिंट क्लब फाउंडेशन के सदस्य रामनिवास द्वारा गीता भवन चौक से लेकर बस स्टैंड तक रैली निकाली गई। जय भीम जय संविधान के नारे लगाते हुए युवा रैली में शामिल हुए। इसी दौरान बस स्टैंड के पास अंबेडकर पार्क में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाई गई और उनके राष्ट्रनिर्माण में योगदान को याद करते हुए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति द्वारा रामनिवास और उसके साथी को सम्मान करते हुए उनके हौसलों का मनोबल बढ़ाने का कार्य किया गया। राष्ट्रनिर्माण में योगदान को लेकर पोस्टर मेकिंग विजेता में प्रथम पीयूष, द्वितीय अमन तथा तृतीय स्थान अभिषेक रहें। इस मौके पर वंश,मोहित, दीपांशु इत्यादि मौजूद रहे।

डा. भीमराम अंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत : पुनीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

भाजपा के जिला उपाध्यक्ष व निगम पार्षद पुनीत राई एवं वार्ड 8 के गणमान्य लोगों ने मिलकर संविधान निर्माता,समाज सुधारक, महान विचारक भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई। पुनीत राई ने ग्रामीणों के साथ बाबा साहेब की फोटो पर पुष्प अर्पित करके उन्हें शत शत नमन किया और लोगों को उनके बनाए हुए सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रेरित किया। पुनीत राई ने संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किए। उनके द्वारा किए काम के कारण उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। पुनीत राई ने लोगों से अपील की कि वे बाबा साहब के पद चिन्हों पर चलें। डॉ. आंबेडकर ने समाज में शिक्षा के महत्व को बहुत अच्छे से समझाया है। हमें उनके आदर्शों को अपनाकर एक ऐसा भारत बनाना है, जो रूढ़ीवादी परंपराओं से मुक्त हो। इस अवसर पर रामकरण, मोंटी सौदा, शशि कपूर सौदा, मोहित लिवान, सत्ते लिवान, राकेश कौशिक, राकेश त्यागी, विकास डबास, प्रवेश शर्मा आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बाबा साहेब के विचारों अनुसार जीवन जीएं : वर्मा

सोनीपत। बाबा साहेब को नमन करते हुए मंच के अध्यक्ष एडवोकेट राजीव वर्मा। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती भीम नगर चौपाल में धूमधाम से मनाई गई। भीम नगर निवासियों ने जयंती में मुख्य अतिथि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव व दलित पिछड़ा शोषित आवाज मंच के अध्यक्ष एडवोकेट राजीव वर्मा को आमंत्रित किया। राजीव वर्मा ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माला अर्पण की। उन्होंनेकहा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर एक इंसान ही नहीं थे वह एक विचार थे और विचार हैं उनके विचारों को हर एक व्यक्ति ने अपने आत्म साध करना चाहिए। अपने जीवन को उनके विचारों के अनुसार जीना चाहिए। शिक्षित बनो संगठित रहो संघर्ष करो बाबा साहब ने यह नारा दिया था लेकिन आज की मौजूदा सरकार ऐसा नहीं चाहती राजीव वर्मा ने कहा की बाबा साहब चाहते थे स्वतंत्र, सामान्ता, वह बंधुता और समता मूलक समाज बने जिसमें सभी को उत्तम सामान के साथ जीने का अधिकार हो। इस अवसर पर हरिओम खटक, राजेंद्र सलीम सर माजरा, अयूब खान, गुड्डू, और दलित पिछड़ा शोषित आवाज मंच संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा के बिना व्यक्ति का उद्धार संभव नहीं

गोहाना। डीबीएम विद्यालय में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। समारोह में शिक्षकों ने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। मुख्य वक्ता शिक्षण संस्थान के एमडी विकास मलिक ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का संपूर्ण जीवन शिक्षा, ज्ञान और वैज्ञानिक सोच के महत्व को उजागर करता है। वे मानते थे कि शिक्षा वह शस्त्र है, जिससे कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को बदल सकता है। उनका यह विश्वास था कि शिक्षा के बिना व्यक्ति का आत्मिक और सामाजिक उद्धार संभव नहीं है। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या पूजा राणा ने की। समारोह का समापन न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के मूल्यों को आत्मसात करने के संकल्प के साथ किया गया। इस अवसर पर सुरेन्द्र, पवन यादव, सुदेश व रचना आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर के अमूल्य योगदानों को किया याद

सोनीपत। हिन्दू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में सोमवार को अंबेडकर जयंती मनाई। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक अंबेडकर जयंती, संविधान पर चिंतन और वर्तमान चुनौतियों का समाधान रहा। इस संगोष्ठी में कॉलेज के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कार्यक्रम के समन्वयक अरुण कुमार राय ने अपने वक्तव्य में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर के अमूल्य योगदानों को स्मरण किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नवीन कुमार मलिक ने वर्तमान परिदृश्य में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर, कॉलेज के छात्रों और संकाय सदस्यों ने भी अपने विचारों को साझा किया। अरुण कुमार राय, राकेश वर्मा, रितु गोयल और नीरज सैनी जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

विधायक कादियान ने मुख्यमंत्री कोष से 5 लाख दिए

शिक्षा समाज को ले जा सकती है आगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। विधायक देवेन्द्र कादियान को स्मृति चिन्ह देते समिति के अध्यक्ष दयानन्द अहलावत व अन्य पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

नगरपालिका रोड स्थित शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर में सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक देवेंद्र कादियान ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने देश को मजबूत संविधान दिया। समाज के वंचित वर्ग के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान दयानंद अहलावत ने की। विधायक कादियान के पहुंचने पर आयोजकों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

कादियान ने समिति सदस्यों के सहयोग से बीपीएल परिवारों के 5वीं से 12वीं कक्षा तक के करीब 500 बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। समिति सदस्यों को विधायक ने मुख्यमंत्री कोष से 5 लाख रुपए का चेक सौंपा। समिति पदाधिकारियों ने इसके लिए उनका आभार जताया। विधायक कादियान ने कहा कि शिक्षा ही समाज को आगे ले जा सकती है। बेटा-बेटी सभी को शिक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि रविदास समिति शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। कार्यक्रम के समापन पर समिति पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि कादियान को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मोहिंद्र सिंहमार, जितेंद्र तूर, जयनारायण सिंहमार, रामदिया रंगा, विजेंद्र अहलावत, पालेराम, सुखबीर सिंहमार, कृष्णलाल रंगा, रामकिशन मेहरा, रामकुमार मेहरा, प्रदीप कुमार, अंकित मल्होत्रा, शंकर, सुशील खेड़ी गुर्जर, रामगोपाल आदि मौजूद रहे।

जुआ गांव में धूमधाम से डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

सोनीपत। जुआ गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने उनकी प्रतिमा पर माला अर्पित करते हुए कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपने जीवन काल में गरीब पिछड़े दलित को हक दिलवाने के लिए संघर्ष किया। उनके संघर्ष के कारण ही देश में छुआछात को खत्म करने किया जा सका। इस अवसर पर गांव के सरपंच सुरेंद्र भोला, नानू, रमेश, संदीप, रविंद्र, कर्मवीर, सतीश आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

PARAS CA INSTITUTE OF COMMERCE PVT. LTD.
Paras CA Foundation
RESULT 80% to 90%
PIONEER INSTITUTE FOR CA COACHING SINCE 1995
Admission OPEN FOR CA Foundation Sept. 25
350 DRISHTI
344 MANAN
339 DAKSHIL
Batches Start 21st April 25
Book your seat now
Near City Mall, Sonipat
Call : 9149112716
7015755714